भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 448 #

गुरूवार, 25 जुलाई, 2024/3 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मिथिला में धार्मिक पर्यटन

448 # श्रीमती धर्मशीला गुप्ता:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या बाबा कुशेश्वर स्थान, श्यामा माई मंदिर, नवादा भगवती स्थान, अहिल्या स्थान, गौतम स्थान, गिरिजा स्थान, फुलहर और बाबा विद्यापति की जन्मस्थली बिस्फी मिथिला के प्राचीन ऐतिहासिक और धार्मिक तीर्थ स्थल हैं; और

(ख) क्या सरकार द्वारा इन तीर्थ स्थलों को तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना में शामिल करके तथा उन्हें पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करके रोजगार के नए अवसर सृजित करने का प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ख): पर्यटन मंत्रालय अपनी प्रशाद (तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान) योजना के अंतर्गत देश-भर में पूर्व-चिह्नित धार्मिक एवं विरासत स्थलों में अवसंरचना का विकास करने का लक्ष्य रखता है । प्रशाद योजना के हस्तक्षेपों से अप्रत्यक्ष तथा प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं ।

अद्यतन स्थिति के अनुसार पर्यटन मंत्रालय ने अपनी प्रशाद योजना के अंतर्गत मिथिला में किसी परियोजना को स्वीकृति नहीं दी है । तथापि पर्यटन मंत्रालय ने बिहार में 'पटना साहिब का विकास' और 'विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास' नामक दो परियोजनाओं को स्वीकृति दी है और प्रशाद योजना के अंतर्गत बिहार में 'सिमरिया घाट, बेगुसराय जिला' और 'आमी मंदिर, सारण जिला' नामक दो स्थलों को विकास हेतु चिह्नित किया है ।

*****